विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

वर्ग-नवम्

विषय-हिन्दी

|| अध्ययन-सामग्री ||

सुप्रभात बच्चों

कल की कक्षा में आपने उपसर्ग तथा उसके भेदों को जाना ।

आज की कक्षा में प्रत्यक्ष तथा उसके भेदों पर विस्तार पूर्वक चर्चा होगी ।

दी गई सामग्री को ध्यान पूर्वक पढ़ें तथा उसे अपनी कॉपी में लिखें ...

प्रत्यय के भेद :-

प्रत्यय के निम्नलिखित दो भेद है।

1. **कृत् प्रत्यय**
2. **तद्धित प्रत्यय**

1. **कृत् प्रत्यय :** जो प्रत्यय शब्दांश के अंत मे लगकर नए शब्द बनाते है, उन्हे कृत् प्रत्यय कहते है।

कृत् प्रत्यय के भेद :-

कृत् प्रत्यय के निम्नलिखित पांच भेद है।

1. करतृवाचक
2. कर्मवाचक
3. करणवाचक
4. भाववाचक
5. विशेषणवाचक

1. करतृवाचक –

प्रत्यय	करतृवाचक संज्ञाएँ
अक	चालक, गायक
आका	पढाका, धमाका
ऊ	मारू, रट्टू

करतृ को कर्तृ लिखें

2. कर्मवाचक –

प्रत्यय	करतृवाचक संज्ञाएँ
औना	बिछौना
नी	ओढ़नी, सूँघनी
ना	गाना

3. करणवाचक –

प्रत्यय	करतृवाचक संज्ञाएँ
आ	भूला, ठेला
न	झाड़ना
नी	चटनी, सूँघनी

4. भाववाचक –

प्रत्यय	करतृवाचक संज्ञाएँ
आ	कथा, तृषा
आप	मिलाप

करतृ को कर्तृ लिखें

5. विशेषणवाचक –

प्रत्यय	करतृवाचक संज्ञाएँ
आलु	कृपालु
ऊ	चाकू, काकू

2. **तद्धिक प्रत्यय :** जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण शब्दों के अंत मे जुडकर नए शब्दों का निर्माण करते है , उन्हे तद्धित प्रत्यय कहते है।

तद्धित प्रत्यय के भेद :-

तद्धित प्रत्यय के निम्न भेद है:

1. कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय
2. संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय
3. विशेषणवाचक तद्धित प्रत्यय
4. स्त्रीलिंगवाचक तद्धित प्रत्यय
5. उर्दू के प्रमुख तद्धित प्रत्यय
6. भाववाचक तद्धित प्रत्यय
7. लघुतावाचक तद्धित प्रत्यय
8. स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय
9. बहुवचन बनाने वाले तद्धित प्रत्यय

करतृ को कर्तृ लिखें